प्रेस विज्ञप्ति

30 अप्रैल, 2016

भाजपा अध्यक्ष, श्री अमित शाह व भाजपा नेताओं के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रभारी, रणदीप सिंह सुरजेवाला ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–

''भाजपा व श्री अमित शाह **'स्वांग और इल्जाम'** की राजनीति में माहिर हैं। वास्तविकता यह है कि **'थोथा चना–बाजे घना'**।

हम श्री अमित शाह को याद दिलाना चाहेंगे कि **'तिल का ताड़' और 'राई का पहाड़'** बनाने से सच्चाई छुप नहीं सकती। भाजपा नेताओं व सरकार को अंर्तमंथन करना चाहिए कि **क्या कीचड़ उछालने और ओछी बयानबाजी** कर वो सच पर पर्दा डाल सकते हैं? क्या भाजपा भद्दी हरकतों व झूठे इल्जामों की राजनीति कर **अपने आपको अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी पर की गई मेहरबानियों** से अलग कर सकती है? हर रोज बेबुनियाद आरोपों की झूठ पकड़े जाने से भाजपा अपने ही बुने जाल में घिरती जा रही है।

श्री अमित शाह ने '3 प्रश्न' पूछे हैं। हम उनसे आग्रह करेंगे कि राष्ट्रहित में वे इन सवालों का जबाव 'मोदी सरकार' को देश के लोगों को देने के लिए मजबूर करें?

1. श्री अमित शाह के मुताबिक **अगस्ता वेस्टलैंड** व उसकी मालिक कंपनी फिनमैकेनिका, दोनों ही **'बोगस कंपनी'** हैं।

   (i) क्या श्री अमित शाह मोदी सरकार से पूछेंगे कि वे इस बोगस कंपनी को दो साल से संरक्षण क्यों दे रहे हैं और सीबीआई/ईडी की जांच किसी भी निर्णायक नतीजे पर क्यों नहीं पहुंच पाई?

   (ii) क्या श्री अमित शाह व भाजपा देश को जबाव देंगे कि क्यों इस 'बोगस कंपनी' को प्रधानमंत्री के **'मेक इन इंडिया'** कार्यक्रम में भागीदार बना **'एयरो इंडिया एक्जिबिशन'** में शामिल किया गया? (कृपया प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो, भारत सरकार की प्रेस विज्ञप्ति दिनांक, **03.03.2015** को देखें, जिसकी प्रतिलिपि **Annexure A-1** में संलग्न है)

   (iii) क्या श्री अमित शाह यह भी जबाव देंगे कि इस 'बोगस कंपनी' को मोदी सरकार के **'विदेशी निवेश प्रमोशन बोर्ड'** द्वारा **08.10.2015** को एक साझे समझौते में निवेश की अनुमति क्यों दी गई? (कृपया प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो, भारत सरकार की प्रेस विज्ञप्ति दिनांक, **08.10.2015** के सीरियल नं. **8** को देखें। इसकी प्रतिलिपि **Annexure A-2** में संलग्न है)

   (iv) क्या श्री अमित शाह यह जबाव भी देंगे कि इस 'बोगस कंपनी' को मोदी सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा **रक्षा सौदों में भागीदारी की इजाजत 22.08.2014** को क्यों दी गई, जबकि ठीक एक महीना पहले यानि 03 जुलाई, 2014 को ही इस कंपनी पर **प्रतिबंध** लगाया गया था? (रक्षामंत्रालय, भारत सरकार के आदेश दिनांक 22 अगस्त, 2014 की प्रतिलिपि **Annexure A-3** संलग्न है)

2. श्री अमित शाह ने प्रश्न उठा यह भी कहा है कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा 'अगस्तावेस्टलैंड कंपनी' की **'बैंक गारंटी'** जब्त नहीं की गई। यह आरोप भी संपूर्ण तौर से झूठ का पुलिंदा है व देश के लोगों की आंखों में धूल झोंकने का एक कुत्सित प्रयास है।

   (i) क्या श्री अमित शाह व भाजपा सरकार बताएंगे कि क्या कांग्रेस सरकार ने भारतीय बैंकों में जमा अगस्तावेस्टलैंड की बैंक गारंटी के लगभग **240 करोड़ रुपए** जब्त नहीं किए थे?

   (ii) क्या श्री अमित शाह व भाजपा सरकार बताएंगे कि क्या कांग्रेस सरकार ने मुकदमा दायर कर व **23.05.2014** को मुकदमा जीत 'मिलान, इटली' की अदालत में मुकदमा जीत यूरो **228,000,000 (228 मिलियन)** की अगस्तावेस्टलैंड की बैंक गारंटी जब्त नहीं की थी? (कृपया **23.05.2014** की विज्ञप्ति का अवलोकन करें, जिसकी प्रतिलिपि **Annexure A-4** में संलग्न है)

   (iii) क्या श्री अमित शाह देश को बताएंगे कि क्या भारत सरकार ने अगस्तावेस्टलैंड से **2068 करोड़ रुपए** की वसूली नहीं की, जबकि कंपनी को किया गया कुल भुगतान लगभग **1620 करोड़ रुपया** था? क्या इसके साथ साथ **3 हैलीकॉप्टर भी जब्त** नहीं किए गए?

3. श्री अमित शाह ने यह कहकर भी प्रश्न उठाया है कि भारत सरकार द्वारा हैलीकॉप्टर की टेस्टिंग की इजाजत **विदेशी जमीन** पर क्यों दी?
   (i) क्या श्री अमित शाह यही प्रश्न प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी व रक्षामंत्री, श्री मनोहर पार्रिकर से पूछने का साहस दिखाएंगे?
   (ii) क्या यह सच नहीं कि मोदी सरकार द्वारा **'डिफेंस प्रोक्योरमेंट प्रोसीजर, 2016'** जारी किया गया है, जिसके मुताबिक **टेस्टिंग विदेशी जमीन** पर किए जाने का प्रावधान है। (डिफेंस प्रोक्योरमेंट 2016 के संबंधित उल्लेखों की प्रतिलिपि **Annexure A-5** संलग्न है। विशेष तौर से आपका ध्यान चैप्टर **ii**, **अनुच्छेद 65 व 66** की तरफ आकर्षित किया जाता है।)

भाजपा अध्यक्ष, श्री अमित शाह एक जिम्मेदार पद पर आसीन हैं। उन्हें याद रखना चाहिए कि एक झूठ सौ बार बोलने से सच नहीं बन सकता और सच सदैव अटल व अडिग रहेगा।

श्री अमित शाह व भाजपा नेतृत्व को अपने झूठे व भ्रामक बयानों के लिए देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा को याद रखना चाहिए कि 'सांच को आंच नहीं' व 'झूठ के पांव नहीं'।